RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2026-28 www.indiatodayhindi.com

अग्रिम सप्ताह के लिए प्रत्येक शनिवार को प्रकाशित; एलपीसी दिल्ली-आरएमएस-दिल्ली-110006 से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को प्रेषित; कुल पन्नों की संख्या 108 (आवरण सहित) वर्ष 40; अंक: 36

OC

विशेष सर्वेक्षण: भारत के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय

आवास: किफायती घर हैं कहां / अपराध: साइबर ठगों का डेरा अब लखनऊ में

9 770971 372703

12 अगस्त, 2026 60 रुपए

इंडिया टुडे

उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों में चुनाव

परिसीमन विधेयक पारित कराने के साथ लोकसभा का विस्तार

घटते रोजगार और बढ़ती महंगाई

कैबिनेट और ब्यूरोक्रेसी में फेरबदल

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी

शिक्षा क्षेत्र में रद्दोबदल और जेन ज़ी का भरोसा जीतना

एआइ इमेज

आगे की चुनौतियां

नीट पर उठे बवंडर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अब अहम सियासी, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर होगा इम्तहान

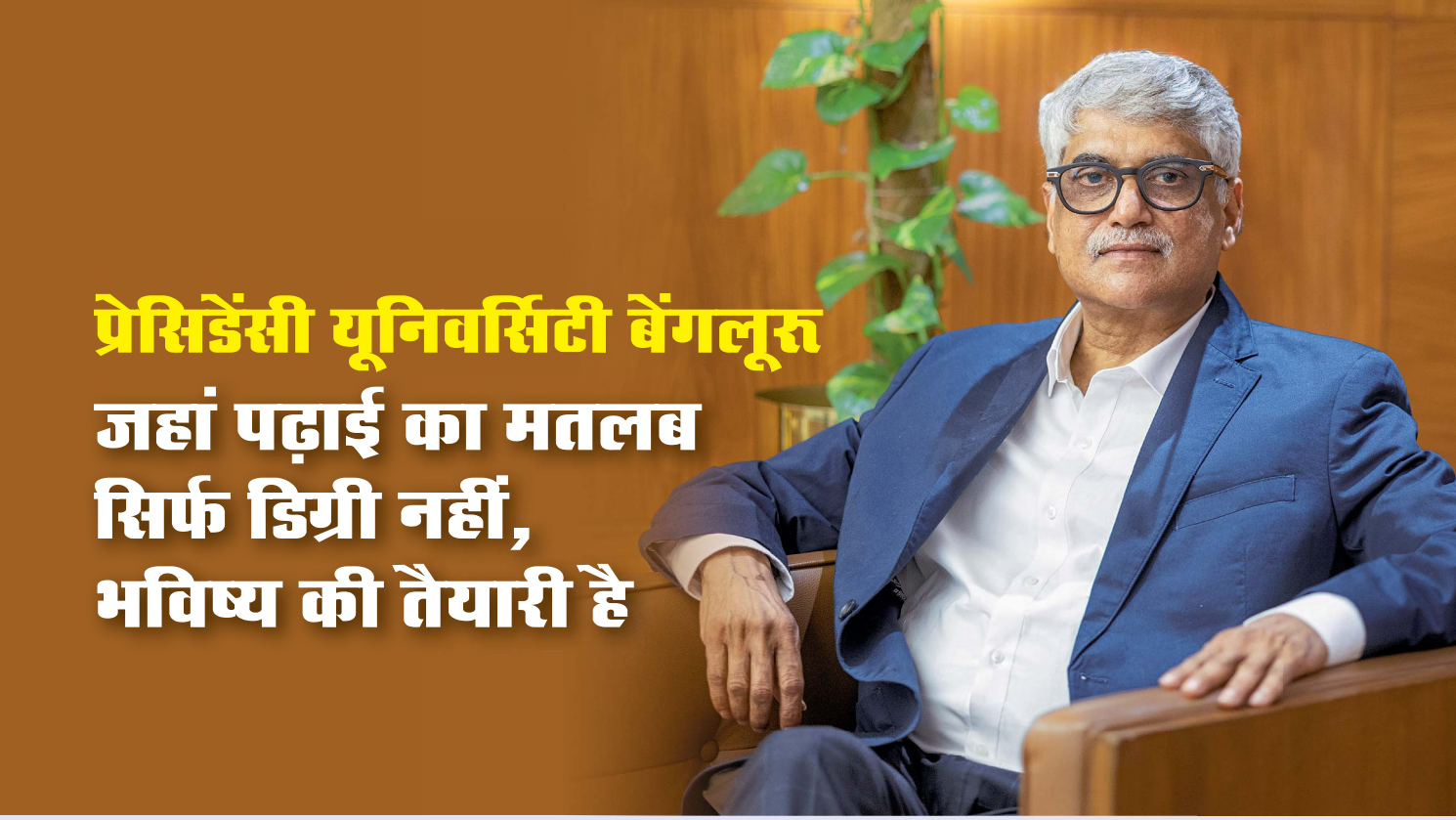

प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी बेंगलूरु

जहां पढ़ाई का मतलब सिर्फ डिग्री नहीं, भविष्य की तैयारी है

आज उच्च शिक्षा का स्वरूप तेज़ी से बदल रहा है। सिर्फ़ डिग्री हासिल कर लेना अब सफल करियर की गारंटी नहीं माना जाता। उद्योग जगत ऐसे युवाओं की तलाश में है, जिनके पास विषय का गहरा ज्ञान हो, नई तकनीक की समझ हो, समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता हो और बदलते समय के साथ खुद को ढालने का आत्मविश्वास भी हो। बेंगलूरु स्थित प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी इसी सोच के साथ विद्यार्थियों को तैयार कर रही है। यहां शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम और ज़िम्मेदार पेशेवर तैयार करना है जो भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, प्रेसिडेंसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का हिस्सा है। इस समूह की स्थापना वर्ष 1976 में हुई थी और पिछले लगभग पांच दशकों में इसने कर्नाटक के शिक्षा जगत में अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक, इस समूह ने हज़ारों विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा दी है। वर्ष 2013 में स्थापित प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी ने भी कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है और आज यह कर्नाटक ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख निजी विश्वविद्यालयों में गिनी जाती है।

करीब 100 एकड़ में फैला विश्वविद्यालय का आधुनिक परिसर अपने आप में एक जीवंत शैक्षणिक वातावरण प्रस्तुत करता है। यहां 20,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय को NAAC से 'A' ग्रेड की मान्यता प्राप्त है। पिछले एक दशक में प्रेसिडेंसी ने खुद को केवल पढ़ाई कराने वाले संस्थान तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ऐसा माहौल विकसित किया है जहां शिक्षा, शोध और उद्योग जगत का सहयोग विद्यार्थियों के समग्र विकास का आधार बनते हैं।

विश्वविद्यालय में इस समय 11 स्कूल संचालित हैं। इनमें स्कूल ऑफ एआई एंड एडवांस्ड कंप्यूटिंग, कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग, इन्फॉर्मेशन साइंस, मैनेजमेंट, लॉ, डिज़ाइन, कॉमर्स, एलाइड हेल्थ साइंसेज़, लिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज़ तथा मीडिया स्टडीज़ शामिल हैं। इनके माध्यम से लगभग 72 स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 100 से अधिक विशेषज्ञता के विकल्प उपलब्ध हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि और करियर के अनुरूप विषय चुनने की व्यापक स्वतंत्रता मिलती है।

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया भर में सीखने और काम करने के तरीके को बदल दिया है। प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी ने इस बदलाव को समय रहते समझते हुए एआई को अपने शैक्षणिक ढांचे का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। विश्वविद्यालय का स्कूल ऑफ एआई एंड एडवांस्ड कंप्यूटिंग इसी दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इस पहल को और मज़बूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने एनविडिया के सहयोग से अत्याधुनिक सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित किया है। ये केवल एक कंप्यूटर लैब नहीं, बल्कि ऐसा उन्नत केंद्र है जहां विद्यार्थी और शोधकर्ता हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की मदद से जटिल एआई मॉडल विकसित करते हैं और वास्तविक समस्याओं के समाधान पर काम करते हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने बोहराई (भारत ओपन इनोवेशन हब फॉर रोबोटिक्स एंड एआई) की भी शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं,

उद्योग जगत और स्टार्टअप्स को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि नए विचारों को तकनीक और शोध के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सके।

विश्वविद्यालय का मानना है कि आने वाले समय में केवल एक विषय का विशेषज्ञ होना पर्याप्त नहीं होगा। एक इंजीनियर को व्यवसाय की समझ भी होनी चाहिए, प्रबंधन के छात्र को डेटा और एआई की जानकारी होनी चाहिए, वहीं कानून के विद्यार्थी के लिए डिजिटल दुनिया से जुड़े नए नियमों और तकनीकी चुनौतियों को समझना भी आवश्यक है। इसी सोच के तहत यहां बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी अपने विषय के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों की भी उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकें।

प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई को उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़कर देखा जाता है। बदलती तकनीक और रोज़गार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर पाठ्यक्रम में बदलाव किए जाते हैं। बिजनेस एनालिटिक्स, फिनटेक, डिजिटल बिजनेस, क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक विषयों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है, ताकि विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उन क्षेत्रों से भी परिचित हों जिनकी आज सबसे अधिक मांग है।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. निसार अहमद का मानना है कि सीखने का सबसे प्रभावी माध्यम अनुभव है। इसी सोच के अनुरूप कैंपस में कई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं, जहां विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक पर काम करने का अवसर मिलता है। यहां विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में वास्तविक परियोजनाओं पर काम करने के कई मौके छात्रों को दिए जाते हैं। एनविडिया, सैमसंग, टेक महिंद्रा और कैपजेमिनी जैसी कंपनियों के सहयोग से स्थापित ये केंद्र विद्यार्थियों को नई तकनीक से परिचित कराते हैं और उनकी पढ़ाई को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ते हैं।

विश्वविद्यालय ने प्रेसिडेंसी लॉन्चपैड की स्थापना भी की है। यहां छात्रों के नए विचारों को केवल कक्षा की परियोजनाओं तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि उन्हें सफल स्टार्टअप में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, उद्योग से जुड़ाव और शुरुआती कारोबारी समझ भी उपलब्ध कराई जाती है।

आज की शिक्षा वैश्विक दृष्टिकोण के बिना अधूरी मानी जाती है। इसी उद्देश्य से प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी ने दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ लगभग 192 अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां स्थापित की हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक्सचेंज प्रोग्राम, संयुक्त शोध, ट्विनिंग प्रोग्राम और सेमेस्टर-अब्रॉड जैसी सुविधाओं का लाभ मिलता है। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली, नई संस्कृतियों और वैश्विक कार्यशैली को समझने का अवसर मिलता है।

विश्वविद्यालय की एक बड़ी ताकत इसकी अनुभवी फैकल्टी भी है। यहां 900 से अधिक योग्य शिक्षक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं। शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और टीम के साथ काम करने जैसी दक्षताओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके लिए विश्वविद्यालय की लर्निंग एंड डेवलपमेंट टीम लगातार कार्य करती है, ताकि विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ पेशेवर दुनिया में कदम रख सकें।

स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय शोध को भी समान महत्व देता है। विभिन्न विषयों में पीएचडी.कार्यक्रम पूर्णकालिक, अंशकालिक और फेलोशिप–तीनों स्वरूप में उपलब्ध हैं। शोधार्थियों को ऐसे शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता है, जिनके शोधपत्र और पुस्तकें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुकी हैं। पिछले एक दशक में प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी ने शिक्षा, शोध, उद्योग सहयोग और वैश्विक सहभागिता के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय प्रगति की है। विभिन्न स्वतंत्र संस्थाओं की रैंकिंग में भी इसे अपने समकक्ष संस्थानों के बीच महत्वपूर्ण स्थान मिला है। नई शिक्षा नीति, तेज़ी से बदलती तकनीक और रोज़गार की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय लगातार अपने पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति और उद्योग से जुड़ाव को समय के अनुरूप विकसित कर रहा है।

आज जब विद्यार्थी और अभिभावक केवल डिग्री नहीं, बल्कि ऐसा संस्थान तलाशते हैं जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, आधुनिक तकनीक, वैश्विक अवसर और बेहतर रोज़गार की संभावनाएं उपलब्ध करा सके, तब प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी एक मज़बूत विकल्प के रूप में सामने आती है। यहां शिक्षा का उद्देश्य केवल करियर बनाना नहीं, बल्कि ऐसे ज़िम्मेदार, कुशल और दूरदर्शी युवा तैयार करना है जो बदलती दुनिया में अपनी अलग पहचान बना सकें। यही सोच प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी को भविष्य की शिक्षा के अनुरूप आगे बढ़ने वाले संस्थानों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करती है।